सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹ 02

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

कानपुर,शनिवार , 31 मई, 2025
वर्षः 02, अंकः 152, पृष्ठः 8+4

मेट्रो में सफर करने पहुंचे सांसद रमेश अवस्थी के साथ भाजपाई

» Pg07

इनसाइड मेडिकल कॉलेज की लापरवाही से बुजुर्ग की मौत, मौत » Pg10

अमरनाथ यात्रा में तैनात होंगे 50 हजार से ज्यादा जवान

» गृह मंत्रालय ने यात्रा के लिए 52 हजार से अधिक सुरक्षाकर्मियों की तैनाती को मंजूरी दी है

मां वैष्णो देवी में भी सुरक्षा को लेकर कड़ी पाबंदी होंगी

पहलगाम आतंकी हमले के बाद, अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम आतंकी हमले और फिर भारत-पाकिस्तान के बीच हुई सैन्य कार्रवाई को देखते हुए इस साल तीन जुलाई से शुरू हो रही अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा के लिए भारत सरकार कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं। 29-30 मई को जम्मू-कश्मीर दौरे पर गए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खुद अमरनाथ तीर्थयात्रा की तैयारियों के लिए सिक्योरिटी रिव्यू किया।

गृहमंत्री ने सुरक्षाबलों को सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। आतंकी हमला होने की आशंका के चलते इस बार अमरनाथ यात्रा के दोनों रूट पर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की 581 कंपनियां यानी 52 हजार से अधिक जवान तैनात होंगे। इनमें जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवान अलग होंगे।

सूत्रों ने बताया कि इसके लिए गृह मंत्रालय ने इसके लिए मंजूरी भी दे दी है। 581 कंपनियों में सबसे अधिक 219 कंपनियां सीआरपीएफ की, 143 बीएसएफ, 97 एसएसबी, 62 आईटीबीपी और 60 कंपनियां सीआईएसएफ की तैनात की जाएंगी। ये सारी कंपनियां जून मध्य के बाद दोनों रूटों की भौगोलिक स्थिति देखने समेत अपनी-अपनी पोस्ट पर तैनाती शुरू कर देंगी।

3 जुलाई से 9 अगस्त तक चलेगी अमर नाथ यात्रा

सिक्योरिटी एजेंसियों ने बताया कि एक कंपनी में करीब 90 जवान होते हैं। इस हिसाब से 581 कंपनियों में 52 हजार 290 जवान यहां तैनात किए जाएंगे। गृह मंत्री अमित शाह के अलावा जम्मू-कश्मीर पुलिस के डीजीपी नलिन प्रभात, सीआरपीएफ के डीजी ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह और बीएसएफ के डीजी दलजीत सिंह चौधरी ने भी जम्मू-कश्मीर पहुंचकर अमरनाथ यात्रा के लिए सिक्योरिटी रिव्यू किया है। अमरनाथ यात्रा तीन जुलाई से नौ अगस्त तक चलेगी।

ड्रोन और हेलिकॉप्टर से होगी भक्तों की निगरानी

एजेंसियों ने बताया कि अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा के लिए ड्रोन और हेलिकॉप्टर से निगरानी रखने के साथ ही डॉग स्क्वॉयड से भी निगरानी रखी जाएगी। बेस कैंप तक पहुंचने वाली गाड़ियों की टैगिंग की जाएगी। ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जो गाड़ी बेस कैंप तक श्रद्धालुओं को लेकर पहुंची है। वह वापस भी आई या नहीं। नीचे से उपर अमरनाथ पवित्र गुफा और दर्शन के बाद गुफा से नीचे तक श्रद्धालुओं की गिनती का भी पूरा रिकॉर्ड रखा जाएगा। ताकि बीच में किन्हीं कारणवश कोई मीसिंग हुआ है तो उसका रियल टाइम में पता लग सके।

सीजेआई बोले: जब भी देश पर संकट आया, देश एकजुट और मजबूत रहा; इसका श्रेय संविधान को जाता

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

प्रयागराज। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में अधिवक्ता चैंबर और मल्टीलेवल पार्किंग का उद्घाटन किया। इस मौके पर सीएम योगी आदित्यनाथ समेत सुप्रीम कोर्ट के कई न्यायाधीश और केंद्रीय कानून राज्य मंत्री मौजूद रहे। इस मौके पर चैंबर आवंटन पोर्टल भी लॉन्च किया गया।

भारत के मुख्य न्यायाधीश भूषण रामकृष्ण गवई बोल रहे हैं। आपरेशन सिंदूर के लिए न्यायिक अधिकारियों का अभिनंदन किया। प्रयागराज पहुंचने पर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। प्रयागराज से पुराना रिश्ता रहा है। कहा कि योगी तो पावरफुल है विक्रमनाथ भी पावरफुल जज हैं। अहिल्याबाई होल्कर की जयंती पर उद्घाटन होना गर्व की बात है। होल्कर ने सामाजिक हित के लिए बहुत कार्य किया। न्यायिक क्षेत्र में इलाहबाद हाईकोर्ट का नाम स्वर्णाक्षरों में लिखा जाता है। मोतीलाल नेहरू, जवाहरलाल नेहरू आदि है। हिंदी साहित्य महादेवी, हरिवंशराय, पंत, निराला, अकबर इलाहाबादी का नाम प्रमुख है। स्वतंत्रता की लड़ाई के लिए चंद्रशेखर आजाद का नाम प्रमुख है। उन्होंने देश के लिए अपना बलिदान दिया।

हमारे देश का संविधान 75 साल में मजबूती की ओर है। भारत प्रगति की ओर बढ़ रहा है। भारत के पड़ोसी देशों की स्थिति क्या है बताने की जरूरत नहीं है। अधिवक्ताओं के लिए इतनी बड़ी इमारत और इतनी सुविधाएं अन्य देश तो क्या दुनिया में कहीं नहीं है। वादकारी का भी हम ख्याल रख रहे हैं। वादकारियों के लिए व्यवस्था की जा रही है। देश का नागरिक न्याय के लिए आता है। उसका पूरा ख्याल हाईकोर्ट में रखा जाता है।

» सीएम योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में इलाहाबाद हाईकोर्ट में अधिवक्ता चैंबर और मल्टीलेवल पार्किंग का उद्घाटन किया गया

जजों के 12 बंगलों को तोड़कर यह पार्किंग बनाई गई है। बंगला छोड़ देना मामूली बात नहीं है। इसके लिए यहां के जजों के प्रति भी आभार जताया। अंबेडकर ने अंतिम ड्राफ्ट सामने रखा तो और जो भाषण दिया वह देश को एक दिशा देने वाला संबोधन था।

आज दिन गौरवमयी दिन है। आज अहिल्या माता होल्कर की 300वीं जयंती है। प्राचीन काल से गंगा, यमुना और सरस्वती की त्रिवेणी प्रयागराज। धर्म, न्याय और ज्ञान के रूप में प्रयागराज पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित करता है। यह महाकुंभ की भूमि है। कौन ऐसा व्यक्ति होगा जो महाकुंभ में डुबकी लगाकर अभीभूत न हुआ हो। पीएम मोदी का मानना है का बार और बेंच के साथ वादकारी का भी उतना ही महत्व है। अपने आप में कैसा इंफ्रास्ट्रक्चर होना चाहिए यहां दिखता है। मल्टीलेवल पार्किंग से लोगों को लाभ मिलेगा। मल्टीलेवल पार्किंग तभी सफल होंगे जब कुछ जगह व्यवसायिक उपयोग के लिए हो।

इस दौरान उच्चतम न्यायालय के अन्य मा. न्यायमूर्तिगण एवं मा. केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल की गरिमामयी उपस्थिति में आज माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के नवनिर्मित अधिवक्ता चैंबर्स एवं मल्टीलेवल पार्किंग बिल्डिंग का उद्घाटन हुआ।

एलआईसी को ब्रिटिश मानक संस्थान से ISO 22301-2019 से सर्टिफिकेट मिला

» एलआईसी को ब्रिटिश मानक संस्थान से ISO 22301-2019 से सर्टिफिकेट मिला

» यह प्रमाणन एलआईसी की परिचालन लचीलापन, व्यवसाय निरंतरता नियोजन और जोखिम प्रबंधन क्षमताओं को मान्यता देता है

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। सार्वजनिक क्षेत्र की अग्रणी बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम को ब्रिटिश स्टैंडर्ड्स इंस्टीट्यूशन (ब्रिटिश मानक संस्थान बीएसआई) से आईओएस 22301-2019 व्यवसाय निरंतरता प्रबंधन प्रणाली (बीसीएमएस) प्रमाणन प्राप्त हुआ है। यह इस बात की पुष्टि करता है कि बीमाकर्ता का परिचालन लचीलापन, व्यवसाय निरंतरता नियोजन और जोखिम प्रबंधन क्षमताएं वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप हैं। आईओएस 22301-2019 बीसीएमएस मान्यता बीमाकर्ता की मजबूत व्यावसायिक निरंतरता प्रथाओं को बनाए रखने, अप्रत्याशित व्यवधानों के दौरान भी निर्बाध सेवाएं सुनिश्चित करने और जोखिम को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने की क्षमता को मान्यता देती है।

आईओएस 22301-2019 व्यवसाय निरंतरता प्रबंधन के लिए एक अंतरराष्ट्रीय मानक है, जो परिचालन व्यवधानों को कम करने और संकट के समय में तेजी से रिकवरी सुनिश्चित करने पर केंद्रित है। यह प्रमाणन प्राप्त करने से एलआईसी की प्रतिष्ठा एक लचीले संगठन के रूप में बढ़ी है, जो अप्रत्याशित चुनौतियों के बावजूद सेवाओं की निरंतरता सुनिश्चित करने और ग्राहकों को निर्बाध रूप से सेवा प्रदान करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस उपलब्धि पर, एलआईसी के सीईओ और प्रबंध निदेशक, सिद्धार्थ महान्ति ने कहा, "एक संस्थान के रूप में, हम अपने ग्राहकों और अन्य हितधारकों के भरोसे और विश्वास को सबसे अधिक महत्व देते हैं। प्रतिष्ठित आईओएस 22301-2019 प्रमाणन प्राप्त करना किसी भी विघटनकारी घटना के सामने व्यापार निरंतरता सुनिश्चित करने और हमारे हितधारकों के हितों की रक्षा करने की हमारी

प्रतिवद्धता का प्रमाण है, जिससे एलआईसी में विश्वास और मजबूत हुआ है।एलआईसी के प्रबंध निदेशक तबलेश पांडे ने कहा, सुरक्षा और लचीलापन हमेशा एलआईसी के परिचालन दर्शन का केंद्र रहा है। आईओएस 22301 प्रमाणन प्राप्त करना सुरक्षित, निर्बाध सेवाओं को सुनिश्चित करके और व्यवधानों के खिलाफ हमारी तैयारी को लगातार बढ़ाकर लाखों पॉलिसीधारकों के हितों की रक्षा करने के लिए हमारे अटूट समर्पण को रेखांकित करता है।इस पूरी यात्रा में अनुकरणीय नेतृत्व, एलआईसी के उद्यम जोखिम प्रबंधन, साइबर सुरक्षा विभाग और वरिष्ठ नेतृत्व टीमों से निरंतर समर्थन और कार्यकारी निगरानी ने इस पहल में संगठन-व्यापी भागीदारी को मजबूत किया। आगे बढ़ते हुए, एलआईसी बीएसआई के निगरानी कार्यक्रम के तहत नियमित अभ्यास और आवधिक समीक्षा में संलग्न होगी, जिससे इसके व्यवसाय निरंतरता प्रबंधन प्रथाओं में निरंतर सुधार को बल मिलेगा।

चेन खींचकर ट्रेन रोकने वालों पर सख्ती करेगा रेलवे

» रोकथाम के लिए चलाया जा रहा यात्री जागरूकता अभियान

» अलार्म चेन के दुरुपयोग पर होगा 1000 जुर्माना, तीन माह की हो सकती है सजा

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। ट्रेनों में अलार्म चेन एक आवश्यक सुरक्षा उपकरण के रूप में काम करती है, जो यात्रियों को सुरक्षा खतरों, चिकित्सा संकटों या तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकता जैसी अन्य आपातकालीन स्थितियों से संबंधित वास्तविक आपात स्थितियों के मामले में ट्रेन को रोकने में कारगर है। हालांकि, अलार्म चेन का तेजी से बढ़ता दुरुपयोग एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय बन गया है। इसको रोकने के लिए मंडल सुरक्षा आयुक्त लगातार आवश्यक कदम उठा रहा है। शुक्रवार को कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने एक सप्ताह का जागरूकता अभियान चलाया, जिसका उद्देश्य लोगों को नियमों और कानूनों के प्रति जागरूक करना है। इस अभियान के तहत ट्रेनों में यात्रा करने वाले यात्रियों को एसीपी रोकथाम के लिए जागरूक किया गया। माइक स्पीकर के माध्यम से प्लेटफार्मों व ट्रेनों के अंदर जाकर यात्रियों को बताया गया कि ट्रेनों में लगे अलार्म चेन का अनावश्यक दुरुपयोग न करें। ऐसा करने पर 1000 रुपए का जुर्माना, 3 माह की सजा या दोनों हो सकती हैं।

अभियान में शामिल

टीएसआई राजेश सिंह
भूपेंद्र सिंह
महिला कांस्टेबल सपना
राकेश कुमार शर्मा
अन्य स्टाफ सदस्य

जागरूकता अभियान का उद्देश्य

इस जागरूकता अभियान का उद्देश्य लोगों को नियमों और कानूनों के प्रति जागरूक करना और उन्हें सुरक्षित और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करना है।

बिल्हौर में चोरों का आतंक

एक ही रात पांच घरों में चोरी की वारदात से दहशत में गांव वाले

» सुबह सूचना मिलते ही इंस्पेक्टर ने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँच जाँच की

» माखनपुरवा में चार और तरऊपुरवा में एक घर को चोरों ने बनाया निशाना

» छत के रास्ते से घर में दाखिल हुए थे शातिर चोर

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर(कानपुर)। कानपुर कमिश्नरेट के बिल्हौर सर्किल में चोरी की बढ़ती वारदातों से ऐसा लग रहा है कि चोर पुलिस के साथ लुका-छिपी का खेल खेल रहें हैं। बिल्हौर कोतवाली क्षेत्र में एक ही रात में पांच घरों में लाखों की चोरी हो गई। जिससे गांव में दहशत का माहौल है। पुलिस के लिए यह चोर सिर-दर्द बनते जा रहे हैं। चोरी की सूचना मिलते ही पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे इंस्पेक्टर अशोक कुमार सरोज ने चोरों की कारस्तानी की जाँच पड़ताल की साथ ही पीड़ित परिजन व गांव वालों से पूछताछ की।

जानकारी के मुताबिक बिल्हौर थाना क्षेत्र के माखनपुरवा गांव के रामचंद्र पुत्र राधेश्याम यादव, नरेंद्र सिंह पुत्र नन्हेलाल, राजोल सिंह पुत्र नन्हेलाल,सुनील यादव पुत्र रामसेवक तथा तरऊपुरवा गांव के राजू यादव पुत्र रामस्वरुप के घर को चोरों ने बीती शुक्रवार की रात अपना निशाना बनाया और एक एक कर चोरी की वारदात को अंजाम दे डाला। अज्ञात चोर छत के रास्ते चढ़कर सभी के घरों में दाखिल हुए और चोरो ने घर से नकदी व कीमती ज़ेवर चुरा लिए। घटना के समय परिजन गर्मी के चलते घर के बाहर बेख़बर सो रहे थे। आज सुबह जागने पर घरवालों को चोरी की जानकारी हुई। सूचना पाते ही इंस्पेक्टर अशोक कुमार सरोज ने पुलिस टीम के साथ माखनपुरवा व तरऊपुरवा गांव पीड़ित के घर पहुंच जाँच पड़ताल की। ख़बर लिखे जाने तक इंस्पेक्टर बिल्हौर से सम्पर्क नहीं हो सका।

डॉग स्क्वॉड,फोरेंसिक व सर्विलांस टीम ने की जांच

पुलिस की सूचना पर डॉग स्क्वॉड,फोरेंसिक व सर्विलांस टीम ने मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल की।टीमों ने घटना स्थल से सबूत एकत्र किए हैं ।सूत्रों का कहना है।डॉग स्क्वॉड कि टीम को खोजी कुत्ते के माध्यम से अहम सुराग मिले हैं।

वारदात की खबर पर मौके पर पहुंचे डीसीपी दिनेश त्रिपाठी

आसपास होने वाली गतिविधियों की सूचना दें: पुलिस उपायुक्त

चोरी की घटना की जानकारी होते ही पुलिस उपायुक्त पश्चिम दिनेश त्रिपाठी,एसीपी बिल्हौर अमरनाथ यादव के साथ घटना स्थल पहुंचकर जाँच की और पीड़ित परिजनों से बातचीत कर जल्द चोरों को पकड़ने का आश्वासन दिया।

साथ ही उन्होंने अपील की है। कि क्षेत्र व अपने आसपास होने वाली किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना पुलिस को दें, ताकि अपराधियों को पकड़ने मे मदद मिल सके। वहीं घटना का खुलासा करने के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया है।पुलिस उपायुक्त ने जल्द घटना का खुलासा करने के लिए पुलिस टीम को निर्देश दिए हैं।

कर चोरी का नया तरीका: एक ही नंबर प्लेट की दो गाड़ियां

» एक ही ई-वे बिल से कई बार माल का परिवहन पकड़ा गया

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर में कर चोरी के लिए व्यापारी नए-नए तरीके अब निकाल रहे हैं। एसजीएसटी विभाग के सचल दल एक ने एक अनोखा और गंभीर मामला पकड़ा।

और विभाग की टीम ने एक ही नंबर प्लेट की दो गाड़ियों को जांच के दौरान रोका तो मामला खुला। एक वाहन में लोहे के एंगल और दूसरे में पाइप लोड मिला। दो वाहनों में एक ही नंबर प्लेट मिलने की जानकारी परिवहन विभाग को भी दी गई है। और फिर संयुक्त आयुक्त एसआईबी सुशील

कुमार गौतम ने बताया कि राज्य कर सचल दल दस्ता 12 इकाई के सहायक आयुक्त अजीत कुमार सिंह, राज्य कर अधिकारी एसपी वर्मा ने कानपुर के जूही मोड़ पर शुक्रवार को एक ही नंबर प्लेट यूपी78जीएन3554 के दो वाहन कर चोरी करते हुए भी पकड़े थे।एक वाहन में लोहे के एंगल और दूसरे में पाइप लोड पाया गया। दोनों वाहनों को अग्रिम कार्रवाई के लिए जीएसटी कार्यालय भी लाया गया। नियमानुसार ई-वे बिल में वाहन संख्या का उल्लेख करते हुए माल का परिवहन भी किया जाता है।और फिर इस मामले में एक ही ई-वे बिल से कई बार माल का परिवहन किया जा रहा था। दोनों वाहनों में लोड माल का सत्यापन और तौल कराई जा रही है। फिर इसके बाद कर चोरी का आकलन किया जाएगा।वहीं, परिवहन विभाग को भी कार्रवाई के लिए मामले की जानकारी दी गई है। अपर आयुक्त ग्रेड एक आरएस विद्यार्थी और अपर आयुक्त ग्रेड दो एसआईबी कुमार आनंद ने बताया कि इस प्रकार के मामलों की धरपकड़ भी जारी रहेगी।

कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर छोड़ गया कोई अपने 'दिल के टुकड़े'

» 3 मासूम बच्चों को लावारिश रोता देख यात्रियों ने दी पुलिस को सूचना

» खोजबीन के बाद भी नहीं मिले परिजन, पुलिस ने चाइल्ड लाइन को किया सुपुर्द

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। ऑपरेशन मुस्कान के तहत नाबालिग बच्चों के गायब होने की घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रभारी निरीक्षक ओम नारायण सिंह के कुशल नेतृत्व में ऑपरेशन मुस्कान के तहत कानपुर सेंट्रल स्टेशन के प्लेटफार्म, सर्कुलेटिंग एरिया, यात्री प्रतीक्षालय पर भ्रमण/चेकिंग के दौरान PRV 112 कंट्रोल रूम की सूचना मिली कि प्लेटफार्म नंबर 10 पर तीन नाबालिग बच्चे लावारिस हालत में रो रहे हैं जो अपना नाम पता नहीं बता पा रहे हैं। जिस पर उ.नि. सुनील कुमार व क्राइम टीम प्लेटफार्म ड्यूटी और साथ में आरपीएफ उ.नि. असलम खान, आरपीएफ महिला आरक्षी सपना के साथ तीनों नाबालिग बच्चों को अपनी सुपुर्दगी में लेकर समस्त प्लेटफार्म, सर्कुलेटिंग एरिया पर बच्चों के माता-पिता की खोजबीन की गई और प्लेटफार्म पर मौजूद समस्त यात्रियों से बच्चों के बारे में पूछताछ भी की गई, परंतु कोई लाभप्रद जानकारी प्राप्त नहीं हो सकी। आरपीएफ पोस्ट पर बने मेरी सहेली में आरपीएफ महिला आरक्षी सपना की सुपुर्दगी में बच्चों को बैठाया गया। उचित माध्यम चाइल्ड लाइन कानपुर नगर को सूचना दी गई। उपरोक्त बच्चों को चाइल्ड लाइन सदस्य गौरव सचान, महिला सूची अवस्थी कानपुर नगर को सुपुर्द किया गया। बच्चों के परिजनों के संबंध में चाइल्ड लाइन कानपुर नगर द्वारा जानकारी की जा रही है। यदि किसी भी व्यक्ति को उपरोक्त बच्चों के परिजनों/रिश्तेदारों के संबंध में कोई जानकारी प्राप्त होती है तो चाइल्ड लाइन कानपुर नगर को सूचित करने का कष्ट करें।

बिल्हौर महोत्सव प्रदर्शनी में झूला टूटा, बड़ा हादसा टला

» हादसे के समय झूले में करीब आधा दर्जन बच्चे व महिलाएं थीं सवार, किशोर घायल

» झूला संचालक व प्रदर्शनी ठेकेदार फरार, क़स्बा इंचार्ज ने सभी झूले बंद कराए

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर (कानपुर)। करीब 15 दिनों से ककवन रोड़ स्थित शांति नगर मोहल्ले में चल रहे बिल्हौर महोत्सव एवं प्रदर्शनी मेला में शुक्रवार को एक बड़ा हादसा हो गया। मेले में लगे कई झूलों में चरखी रॉकेट इलेक्ट्रॉनिक झूले की एक बोगी तेज आवाज के साथ टूटकर गिर गई। झूले में बैठा कस्बे के गया प्रसाद नगर मोहल्ला निवासी अवनीश कटियार का 13 वर्षीय पुत्र अनुभव कटियार बोगी के साथ गिरकर घायल हो गया। ये घटना रात करीब 8 बजे हुई। घटना के समय झूले में आधा दर्जन महिलाएं व बच्चे सवार थे।

झूला टूटने की घटना के बाद मेले में अफरा-तफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई। चीख-पुकार के बीच मौका पाकर झूला संचालक मौके से भाग निकला। और मेला प्रदर्शनी का ठेकेदार भी भूमिगत हो गया। परिजनों ने घायल बालक को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। सूचना पर पहुँचे क़स्बा इंचार्ज सचिन सिरोही ने जाँच की और मेले में लगे सभी झूले बंद करवा दिए। देखते ही देखते मेले में सन्नाटा छा गया। पुलिस की कार्रवाई से अन्य झूला संचालकों में हड़कंप मच गया।पुलिस झूला संचालक की तलाश में जुटी है।

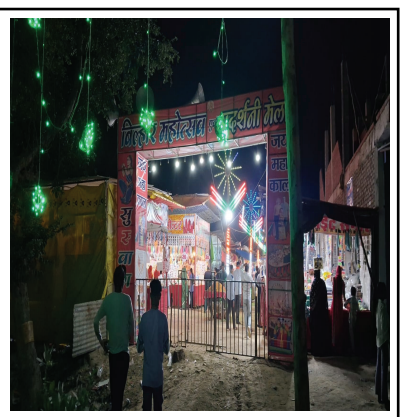

पुलिस झूला संचालक की तलाश में जुटी है।

तत्कालीन इंस्पेक्टर ने नहीं चलने दिया थे झूले

बिल्हौर। तत्कालीन तेज तर्रार इंस्पेक्टर केशव तिवारी के कार्यकाल में पिछली साल इसी जगह पर प्रदर्शनी लगी थी।

आसमानी झूले से लेकर कई झूले बिना परमिशन मेले में लगाए गए थे। जिन्हें तत्कालीन थानाध्यक्ष ने बंद करवा दिए थे। इसके साथ ही बाबा नौगजापीर के मेले में लगे झूलों को भी बंद करवा दिया था। जानकारी में आया है बगैर परमीशन के प्रदर्शनी में झूले चल रहे थे।

बिना परमीशन चल रहे झूलों ने खड़े कर दिए हैं तमाम सवाल

बिल्हौर। झूला गिरकर किशोर के घायल होने की घटना ने पुलिस प्रशासन की सक्रियता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सवाल यह है कि आखिरकार किस तरह से बेखौफ होकर झूला संचालक थाना और तहसील से मात्र कुछ ही दूरी पर मेला लगाए थे और उसमें बिना परमीशन के झूले चला रहे थे।

आशंका जताई जा रही है

कि किसी न किसी के मौखिक आदेशों पर झूले चल रहे होंगे। ऐसे में अपनी गलती कौन मानेगा।

सम्पादकीय

रक्षा अनुबंधों में समय की पाबंदी जरूरी

निस्संदेह, राष्ट्र की सुरक्षा से जुड़ी सुरक्षा उत्पादों की आपूर्ति में किसी भी लेट-लतीफी को बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए। खासकर ऐसे वक्त में जब देश की दो तरफ की सीमाओं पर सुरक्षा चुनौतियां बरकरार हैं। इसी आलोक में एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह की चिंताओं से सहमत हुआ जा सकता है। हाल ही में उन्होंने कहा था कि मेरे ख्याल से एक भी परियोजना तय सीमा पर पूरी नहीं होती है। निस्संदेह, यह कथन देश की स्वदेशी उत्पादों की रक्षा तैयारियों में विलंब की प्रवृत्ति की ओर इशारा करता है। देश के नेताओं का स्वदेशी सुरक्षा उत्पादों की जरूरत पर बल देना निस्संदेह, सराहनीय कदम है, लेकिन सुरक्षा चुनौतियों के मद्देनजर उनकी समय पर आपूर्ति भी सुनिश्चित करने की जरूरत है। खासकर तेजस लड़ाकू विमान व आकाश मिसाइल प्रणाली, के बावजूद लगातार होने वाली देरी परिचालन तत्परता को बाधित करती है। निस्संदेह, लेट-लतीफी की यह प्रवृत्ति आधुनिकीकरण को पटरी से भी उतार सकती है। दरअसल, यह देरी, जो अकसर अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के चरण में ही स्वीकार कर ली जाती है, कालांतर प्रणालीगत जड़ता और अति-वायदे की संस्कृति को ही उजागर करती है। हमारे पड़ोसी देशों में तेजी से होते सैन्य आधुनिकीकरण और युद्ध तैयारियों में गहन तकनीक के इस्तेमाल होने के चलते, हमें इस सुस्ती की बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। निर्विवाद रूप से यह महज बजट या नौकरशाही की लालफीताशाही का मामला भर नहीं है। वास्तव में यह राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा एक बेहद संवेदनशील विषय है। निस्संदेह, सरकार की ओर से घरेलू रक्षा उत्पादकता को बढ़ावा देने की पहल एक स्वागत योग्य कदम है। विगत के संकटकाल के दौरान देखने में आया है कि युद्ध व चुनौतिपूर्ण स्थितियों में हम विदेशों में अपनी जरूरत का सामान तलाशते रहे हैं। कई देशों ने मुश्किल वक्त में सामान की आपूर्ति में ना-नुकुर भी की है। कारगिल युद्ध के समय भी कुछ ऐसे अनुभव देखने में आए थे।राजग सरकार का घरेलू रक्षा उत्पादन की तरफ बढ़ाया गया कदम निस्संदेह सराहनीय है। लेकिन जब जरूरी रक्षा उत्पादों की आपूर्ति समय पर नहीं हो पाती, तो यह हमारी रणनीतिक स्वायत्तता के लिये असहज स्थिति पैदा कर देती है। दरअसल, यह स्थिति इस घरेलु उद्योग की संरचनात्मक विसंगतियों को दूर करने की जरूरत बताती है। इस दिशा में ध्यान देने की महती जरूरत है कि कच्चे माल की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। साथ ही शोध व अनुसंधान तथा विकास के लिये पर्याप्त आर्थिक संसाधन समय रहते उपलब्ध कराए जाएं। यह दृष्टव्य है कि देश के 6.81 लाख करोड़ रुपये के रक्षा बजट में मात्र 1.8 लाख करोड़ रुपये की राशि आधुनिकीकरण के लिए निर्धारित की गई है।

रोजगार-आर्थिकी की राह तय करेंगे एमएसएमई

डा0 जयंती लाल भंडारी

नवाचार की नई लहर एमएसएमई के लिए नया अध्याय लिख सकती है। इस पर भी ध्यान केंद्रित करना होगा कि भारत के एमएसएमई गुणवत्ता को मुट्ठी में लेकर समकालीन डिजिटल तकनीकों को अपनाते हुए अमेरिका सहित वैश्विक बाजार में अपनी प्रतिस्पर्धात्मक शक्ति रणनीतिक रूप से बढ़ा सकते हैं। ऐसे उपायों से भारत टैरिफ की चुनौतियों को एमएसएमई के लिए उभरते हुए नए अवसरों के दौर में बदल सकता है।इन दिनों देश में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) से संबंधित रिपोर्टों में एमएसएमई की बढ़ती मुश्किलों पर टिप्पणियां करते हुए इन्हें बढ़ती चुनौतियों से बचाने की जरूरत बताई जा रही हैं। हाल ही में प्रकाशित सिडबी की रिपोर्ट के मुताबिक अभी एमएसएमई के लिए सरल कर्ज की प्राप्ति एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

एमएसएमई की क्रेडिट मांग व पूर्ति में 30 लाख करोड़ रुपये का अंतर है। मांग के मुताबिक लोन मिलने पर एमएसएमई के तहत 5 करोड़ नए रोजगार के अवसर निर्मित होंगे। नीति आयोग की रिपोर्ट में कहा गया है कि छोटे उद्योगों को जरूरत के मुताबिक क्रेडिट, तकनीकी कौशल तथा विकास एवं अनुसंधान के क्षेत्र में मदद मिल जाए तो एमएसएमई रोजगार और आर्थिक विकास का बड़ा साधन बन सकते हैं। गौरतलब है कि एमएसएमई मंत्रालय के उद्यम पोर्टल पर इस साल मार्च तक पंजीकृत 6.2 करोड़ एमएसएमई 25.95 करोड़ लोगों को रोजगार देते हैं। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में एमएसएमई का योगदान करीब 30 फीसदी है। एमएसएमई से वर्ष 2024-25 में करीब 12.39 लाख करोड़ रुपए का निर्यात किया गया है। देश से निर्यात किए गए कुल उत्पादों में से करीब 46 फीसदी उत्पाद एमएसएमई क्षेत्र से हैं। ऐसे में भारत ने हाल ही इंग्लैंड के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) किया है और अमेरिका के अलावा अन्य कई प्रमुख देशों के साथ भी द्विपक्षीय व्यापार समझौतों के पूर्ण होने पर एमएसएमई की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। अतएव नए अवसरों का लाभ उठाने के लिए एमएसएमई को प्रोत्साहन देकर मजबूत बनाना जरूरी है।

यद्यपि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप से टैरिफ की चुनौती के बीच अमेरिका के द्वारा भारत पर घोषित किए गए 26 फीसदी टैरिफ पर 90 दिनों के विराम ने भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहे जाने वाले एमएसएमई को कुछ राहत अवश्य दी है, लेकिन अमेरिकी बाजार पर निर्भर अधिकांश एमएसएमई निर्यातक अमेरिकी खरीदारों द्वारा छूट की नई मांग और अनुबंधों पर नए सिरे से बातचीत के अलावा भुगतान में देरी जैसी चुनौतियों से अपने बचाव के लिए सरकार का रणनीतिक सहयोग जरूरी मान रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले माह 21 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस पर अपने संबोधन में कहा कि इस समय नए व्यापार युग के बदलाव के दौर में भारत के एमएसएमई के पास चुनौतियों के बीच दुनिया में आगे बढ़ने के ऐतिहासिक अवसर भी हैं और ये उद्योग वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि टैरिफ वार से एमएसएमई क्षेत्र को जो झटका लग रहा है, उस झटके से एमएसएमई के उबारने के लिए जहां एक ओर सरकार के द्वारा एमएसएमई के समक्ष दिखाई दे रही चुनौतियों के समाधान के लिए रणनीति बनाकर निर्यातकों को सहारा देना होगा, वहीं एमएसएमई क्षेत्र के उद्यमियों और निर्यातकों को भी नई चुनौतियों के मद्देनजर तैयार होना होगा। इस परिप्रेक्ष्य में यह बात महत्वपूर्ण है ।

त्याग में अपना ही नहीं, अपनों का भी भला

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस

कृष्ण प्रताप सिंह

तंबाकू से बचाव केवल हमारे और हमारे प्रियजनों के वर्तमान की ही नहीं, बल्कि भविष्य की भी रक्षा है-और इस बचाव का कोई विकल्प नहीं है।यह तथ्य अब सुविदित है कि तंबाकूजन्य नशे हर साल दुनिया भर में अस्सी लाख से अधिक लोगों की जान ले लेते हैं। भारतीय होने के नाते यह और भी अधिक चिंता का विषय है कि इनमें से 13 लाख से ज्यादा मृतक भारतीय होते हैं।यह डरावना आंकड़ा न केवल चिंता उत्पन्न करता है, बल्कि यह भी इंगित करता है कि विविध प्रकार के तंबाकूजन्य नशों का या तो पूरी तरह उन्मूलन किया जाना चाहिए या कम से कम उन्हें न्यूनतम स्तर तक सीमित किया जाना आवश्यक है।

इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु वर्ष 1988 से हर वर्ष आज के दिन विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। इस संदर्भ में यह जानना भी प्रासंगिक है कि तंबाकूजन्य मौतों की बढ़ती संख्या को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 1987 में इस दिवस को मनाने की परंपरा शुरू की थी। प्रारंभ में इसे 7 अप्रैल को मनाया गया, लेकिन उसी वर्ष 31 मई को संगठन द्वारा एक प्रस्ताव पारित कर इसे स्थायी रूप से 31 मई को मनाने का निर्णय लिया गया।प्रत्येक वर्ष इस दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती

है, जिसके माध्यम से लोगों को तंबाकू सेवन के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जाता है और उन्हें इससे दूर रहने के लिए प्रेरित किया जाता है। यह भी बताया जाता है कि तंबाकू का सेवन केवल उपभोक्ता के लिए ही नहीं, बल्कि उनके आसपास रहने वाले लोगों के लिए भी घातक है।विडंबना यह है कि इन प्रयासों के बावजूद विश्वभर में बड़ी संख्या में लोग किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन कर रहे हैं और वे इसकी लत से मुक्त नहीं हो पा रहे हैं।यदि हम भारत की बात करें तो यहां तंबाकू उत्पादों के पैकेटों पर वैधानिक चेतावनियां प्रमुखता से अंकित की जाती हैं और अवयस्कों को इनकी बिक्री पर कानूनी रोक भी है। फिर भी, लगभग हर आयु वर्ग और लिंग के लोग इस लत के शिकार हैं। कहने का तात्पर्य यह है कि नशा खत्म तो दूर, अपेक्षित रूप से घटता भी नहीं दिख रहा।विशेषज्ञों द्वारा बार-बार यह बताया जाता है कि तंबाकू का सेवन फेफड़े, यकृत, मुंह और गर्भाशय के कैंसर के अलावा अनेक यौन और हृदय रोगों का प्रमुख कारण बन सकता है, पर इसका अपेक्षित असर होता नहीं दिखता।राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़े दर्शाते हैं कि भारत में 15 वर्ष से अधिक आयु के 38 प्रतिशत से अधिक पुरुष तंबाकू का सेवन करते हैं। महिलाओं में यह आंकड़ा लगभग 9 प्रतिशत है। 15 से 49 वर्ष की आयु की 1 प्रतिशत महिलाएं और 19 प्रतिशत पुरुष शराब का सेवन करते हैं। स्पष्ट है कि समस्या केवल तंबाकू तक सीमित नहीं, बल्कि शराब की लत भी चिंताजनक स्तर पर मौजूद है।यह निष्कर्ष देश के 28 राज्यों और आठ केंद्रशासित प्रदेशों के 707 जिलों में 6.37 लाख परिवारों के सर्वेक्षण पर आधारित है। यह बताता है कि नशे की समस्या को रोकने या सीमित करने हेतु एक दीर्घकालिक और कारगर रणनीति की आवश्यकता है, जिसका एक सिरा शिक्षा से भी जुड़ता है। क्योंकि आंकड़ों के अनुसार, भले ही तंबाकू सेवन हर वर्ग में पाया जाता है,

सिंधु जल संधि

भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर बुधवार को पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया। यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (CCS) की बैठक के दौरान लिए गए पाँच प्रमुख निर्णयों में से एक था।

सिंधु जल संधि क्या है?

सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियों के जल वितरण को निर्धारित करने के 19 सितंबर, 1960 को भारत और पाकिस्तान ने सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर किए थे। विश्व बैंक द्वारा आयोजित एक समझौते के तहत तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और तत्कालीन पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान ने कराची में इस पर हस्ताक्षर किए थे।

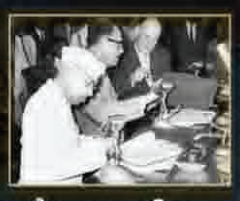

सिंधु जल संधि के निलंबन से पाकिस्तान पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

सिंधु नदी नेटवर्क, जिसमें **झेलम, चिनाब, रावी, ब्यास और सतलुज नदियाँ** शामिल हैं, पाकिस्तान के प्रमुख जल संसाधन के रूप में कार्य करता है, जो करोड़ों की आबादी का भरण-पोषण करता है।

यह संधि पाकिस्तान को प्रभावित करेगी, क्योंकि कुल जल प्रवाह का लगभग **80%** हिस्सा पाकिस्तान को प्राप्त होता है, जो पाकिस्तान में कृषि के लिए महत्वपूर्ण है, विशेष रूप से **पंजाब और सिंध प्रांतों** में।

पाकिस्तान **सिंचाई, खेती और पीने के पानी** के लिए काफी हद तक इसी जल आपूर्ति पर निर्भर है।

कृषि क्षेत्र पाकिस्तान की राष्ट्रीय आय में **23%** का योगदान देता है तथा इसके **68%** ग्रामीण निवासियों का भरण-पोषण करता है।

सिंधु बेसिन प्रतिवर्ष **154.3 मिलियन एकड़ फीट** पानी की आपूर्ति करता है, जो व्यापक कृषि क्षेत्रों की सिंचाई और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है।

जल प्रवाह में किसी भी प्रकार की रुकावट से पाकिस्तान के **कृषि क्षेत्र** पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा, जो उसकी **अर्थव्यवस्था** और **ग्रामीण आजीविका** का एक महत्वपूर्ण घटक है।

जल की उपलब्धता में कमी से कृषि पर निर्भर ग्रामीण क्षेत्रों में **फसल की पैदावार** में कमी, **खाद्यान्न** की कमी और **आर्थिक अस्थिरता** उत्पन्न होने की संभावना है।

पाकिस्तान पहले से ही **भूजल की कमी, कृषि भूमि का लवणीकरण** और **सीमित जल भंडारण क्षमता** जैसी गंभीर जल प्रबंधन समस्याओं का सामना कर रहा है।

देश की जल भंडारण क्षमता कम है, **मंगला और तरबेला** जैसे प्रमुख बांधों का संयुक्त जल भंडारण केवल 14.4 एमएएफ है, जो संधि के तहत पाकिस्तान के वार्षिक जल हिस्से का केवल **10%** है।

इस निलंबन से गारंटीकृत **जल आपूर्ति** में कटौती होने से ये कमजोरियां और बढ़ जाएंगी, जिससे पाकिस्तान के पास अपनी **जल आवश्यकताओं के प्रबंधन** के लिए कम विकल्प बचेंगे।

मेट्रो में सफर करने पहुंचे सांसद रमेश अवस्थी के साथ भाजपाई

» संसद के साथ कई विधायक और पार्टी के पदाधिकारी भी मौजूद रहे

उद्घाटन के बाद सांसद रमेश अवस्थी ने लिया मेट्रो की व्यवस्थाओं का जायजा, घण्टो का सफर होगा अब मिनटों में

मुख्य संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर में अंडरग्राउंड मेट्रो की यात्री सेवाएं शुरू होने के बाद आज शनिवार को भाजपा सांसद रमेश अवस्थी ने चुन्नीगंज से कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन तक मेट्रो में सफर कर इसकी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। 30 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटन के बाद आज सांसद रमेश अवस्थी ने इस नई सेवा की सुचारू शुरुआत और सुविधाओं को सुनिश्चित मेट्रो में अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ सफर किया । उनके साथ विधायक सुरेंद्र मैथानी, जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित, और कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन यूपी मेट्रो के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने सांसद का बुके देकर स्वागत किया।

ऐसे में सांसद रमेश अवस्थी ने मेट्रो की व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया और यात्रियों के लिए टिकट खरीदकर नियमों का पालन करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटित यह मेट्रो सेवा कानपुर के लिए गर्व का क्षण है। मैंने आज व्यवस्थाओं का जायजा लिया और यह सुनिश्चित किया कि शहरवासियों को बेहतर सुविधाएं मिलें। उनकी दूरदर्शिता और जनता के प्रति समर्पण ने इस परियोजना को और प्रभावी बनाया है।

सांसद ने यह भी बताया कि इस साल के अंत तक नौबस्ता तक मेट्रो विस्तार का लक्ष्य है, जिसके लिए वे निरंतर प्रयासरत हैं।

25 मिनट में आईआईटी से सेंट्रल तक का सफर

इस मेट्रो सेवा ने आईआईटी कानपुर से सेंट्रल रेलवे स्टेशन तक की दूरी को मात्र 25 मिनट में सिमटा दिया है, जो पहले ट्रैफिक के कारण एक घंटे से अधिक समय लेता था। इस दौरान विधायक सुरेंद्र मैथानी और जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित, शिवराम सिंह, सुरेश अवस्थी ने भी सांसद रमेश अवस्थी के साथ मेट्रो का दौरा और सफर किया और इसे शहर के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया। कई कार्यकर्ताओं ने भी इस ऐतिहासिक मौके पर सांसद के साथ सफर किया। यूपीएमआरसी के

प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने परियोजना की तकनीकी जानकारी साझा की और संचालन की शुरुआत में सहयोग दिया।

कानपुर मेट्रो की खासियतें

यह मेट्रो ड्राइवरलेस तकनीक से संचालित है, जिसमें लिफ्ट, एस्केलेटर, सीसीटीवी, और यात्री सूचना प्रणाली जैसी आधुनिक सुविधाएं हैं। किराया 10 रुपये से शुरू होकर अधिकतम 40 रुपये है। यह सेवा न केवल समय और ईंधन बचाएगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और शहर के राजस्व वृद्धि में भी योगदान देगी।

सड़कों पर लगाई झाड़ू, पीले चावल देकर किया आमंत्रित

कानपुर। कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के अध्यक्ष प्रकाश पाल ने बर्रा बाईपास स्थित कैप्टन शहीद मनोज भदौरिया की प्रतिमा पर साफ-सफाई अभियान चलाया और यहां उपस्थित लोगों को पीले चावल देकर जनसभा के लिये आमंत्रित किया। इसी तरह भाजपा के वरिष्ठ नेता उत्तर प्रदेश के महामंत्री एवं विधान परिषद सदस्य अनूप गुप्ता, भाजपा दक्षिण जिला अध्यक्ष शिवराम सिंह, पूर्व विधायक रघुनंदन भदौरिया एवं मंडल अध्यक्ष सुमित तिवारी ने कैंट क्षेत्र में कैप्टन आयुष यादव की प्रतिमा स्थल पर स्वच्छता अभियान चलाते हुए गोलाघाट क्षेत्र में लोगों को पीले चावल देकर जनसभा में पहुँचने का अनुरोध किया। सांसद रमेश अवस्थी एवं भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित ने चंद्रशेखर आजाद विश्वविद्यालय चौराहे पर डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा की साफ-सफाई की। नवाबगंज क्षेत्र में जनसंपर्क कर नागरिकों को आमंत्रित किया। महापौर प्रमिला पांडे एवं विधायक नीलिमा कटियार ने रावतपुर चौराहे पर रानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा की सफाई की और क्षेत्रीय नागरिकों को पीले चावल के माध्यम से प्रधानमंत्री की जनसभा में पहुँचने का निमंत्रण दिया। भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष सुनील बजाज एवं मुकुंद मिश्रा ने बाजारों में व्यापारियों से संपर्क कर पीले चावल वितरित किए ?

स्कूली बच्चों ने भूमिगत मेट्रो सेक्शन में किया सफर, बोले- अरे दादा, जमीन के नीचे मेट्रो...मजा आ गया

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। अरे दादा, जमीन के इतने नीचे मेट्रो। मैंने तो पहली बार देखा, तूने देखी है क्या। नहीं, भाई मैंने तो अभी तक केवल ऊपर चलती मेट्रो ही देखी है, वो भी बाहर से। जमीन के भीतर ट्रेन और उसकी पहली बार सवारी करने में मजा ही आ गया...। स्कूली बच्चों के बीच यह संवाद नयागंज मेट्रो स्टेशन के शुभारंभ पर सुनने को मिला। यहां से सम्राट अशोक विद्या उद्यान और स्कॉलर प्लेवेज स्कूल के बच्चों ने मेट्रो में सफर किया।

यूनिफार्म पहने, हाथों में तिरंगा और ऑपरेशन सिंदूर की तख्तियां लिए विद्यार्थी मेट्रो स्टेशन पहुंचे तो उनको अंदाजा ही नहीं था कि ट्रेन कितनी नीचे है। तिरंगी पट्टियों, फूलों से सजे स्टेशन के एक फ्लोर नीचे उतरे छात्र को जब ट्रेन नहीं दिखी तो उन्होंने शिक्षकों से पूछा। शिक्षकों ने बताया कि अभी एक फ्लोर और नीचे उतरने पर ट्रेन मिलेगी। यह सुनकर बच्चे हैरान होकर एक दूसरे को देखने लगे।

इस दौरान उन्होंने टिकट लेने व प्रवेश प्रक्रिया को समझा। दोपहर 3:21 बजे जैसे ही सीएसए के जनसभा स्थल से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भूमिगत मेट्रो स्टेशन को हरी झंडी दिखाई, वैसे ही नयागंज से मेट्रो चुन्नीगंज के लिए रवाना हो गई। फूलों से सजी मेट्रो के भीतर बैठे बच्चों ने जयहिंद का उद्घोष किया। सफर के दौरान आ चल के तुझे मैं ले के चलूं... सहित अन्य गीत गाए।

15 मिनट के लिए नयागंज स्टेशन पर रोका

यहां से चार मिनट के बाद 3:25 बजे मेट्रो बड़ा चौराहा स्टेशन पहुंची, जहां अधिकारियों ने बच्चों का बाहर से स्वागत किया तो ट्रेन के भीतर से बच्चों ने भी अभिवादन किया। 3-28 बजे मेट्रो नवीन मार्केट और 3-31 बजे चुन्नीगंज मेट्रो स्टेशन पहुंची। यहां से मेट्रो दोबारा नयागंज स्टेशन के लिए चल पड़ी। हालांकि प्रधानमंत्री की जनसभा के चलते वापसी में मेट्रो को करीब 15 मिनट के लिए नयागंज स्टेशन पर रोका गया।

पहली बार मेट्रो में बैठी हूं। ट्रेन को जमीन के इतना नीचे देखकर चौंक गई। इसमें सफर करना काफी रोमांचक रहा। – दिव्यांगना, स्कॉलर प्लेवेज स्कूल

जब पता चला कि मेट्रो में सफर करेंगे तो नींद नहीं आई। दिल्ली में ऐसी ट्रेन के बार में सुना था, यहां पहली बार बैठी हूं।
एनी वर्मा, स्कॉलर प्लेवेज स्कूल

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर दिलाई तंबाकू छोड़ने की शपथ

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर।हर वर्ष 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य तंबाकू और निकोटिन उत्पादों के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करना है। इसी क्रम में आईसीटी की पाठशाला के संस्थापक व स्टेट आईसीटी अवॉर्डी शिक्षक शेखर यादव द्वारा शिक्षकों, छात्रों एवं अभिभावकों हेतु एक राष्ट्रीय ऑनलाइन शपथ एवं क्विज़ कार्यक्रम का आयोजन कया गया।इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों से 1500 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग कर ऑनलाइन माध्यम से तंबाकू से दूर रहने तथा दूसरों को भी प्रेरित करने की शपथ ली।

साथ ही, एक जागरूकता आधारित क्विज़ में भाग लेकर तंबाकू सेवन के स्वास्थ्य पर प्रभावों की जानकारी प्राप्त की।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुरेश कुमार सोनी, सदस्य, नेशनल मेंटरिंग मिशन, एनसीटीई, नई दिल्ली एवं पूर्व उपनिदेशक, एससीईआरटी, लखनऊ व पूर्व स्टेट ट्रेनिंग ऑफिसर अश्वस्स् ढ्ढ्ढस्त्रद्धड्ड ने सभी प्रतिभागियों को हस्ताक्षरयुक्त ई-सर्टिफिकेट प्रदान किए और कहा कि तंबाकू केवल उपभोक्ता को ही नहीं, उसके पूरे परिवार को मानसिक, शारीरिक और आर्थिक रूप से प्रभावित करता है। ऐसे में डिजिटल माध्यम से इस प्रकार का अभियान चलाना अत्यंत सराहनीय है।शेखर यादव ने बताया आईसीटी की पाठशाला निःशुल्क डिजिटल मंच है, जो न केवल शैक्षिक नवाचार में कार्यरत है, बल्कि सामाजिक मुद्दों पर जन-जागरूकता फैलाने के लिए भी प्रतिबद्ध है। हमारा उद्देश्य बच्चों, अभिभावकों और शिक्षकों को जोड़कर समाज में सकारात्मक बदलाव लाना है।इस आयोजन के माध्यम से यह स्पष्ट संदेश दिया गया कि यदि आज हम संकल्प लें, तो आने वाली पीढ़ियाँ एक स्वस्थ, सुरक्षित और नशामुक्त भविष्य की ओर बढ़ सकती हैं।आईसीटी की पाठशाला के मंच से 50 से अधिक शिक्षक स्टेट आईसीटी पुरस्कार प्राप्त कर चुके है और हज़ारों की संख्या में शिक्षक, छात्र एवं अभिभावक क्विज में प्रतिभाग कर चुके हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

नवजात बच्चे की मौत के मामले में लापरवाही उजागर, दो सस्पेंड

» डस्टबिन में गिरा नवजात, एक घंटे तक पड़ा रहा मेडिकल वेस्ट में

» 11 घंटे छिपाई गई मौत की जानकारी, डॉक्टर और नर्स सस्पेंड, बर्खास्तगी की संस्तुति

स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात। मेडिकल कॉलेज स्थित महिला अस्पताल में गुरुवार देर रात घोर लापरवाही का मामला सामने आया। रूरा थाना क्षेत्र के प्रेमाधाम कारी-कलवारी गांव निवासी सुनील नायक की पत्नी सरिता को रात एक बजे भर्ती किया गया था। डेढ़ घंटे बाद उसे प्रसव पीड़ा हुई, लेकिन न स्टाफ नर्स जागी, न डॉक्टर मौजूद था। सरिता ने दर्द से तड़पते हुए वार्ड में ही बच्चे को जन्म दिया, जो पास रखे डस्टबिन में गिर गया। बच्चा एक घंटे तक मेडिकल वेस्ट के साथ डस्टबिन में पड़ा रहा, जबकि परिजन बच्चे को खोजते रहे। जब तक

नवजात को ढूंढा गया और इलाज शुरू हुआ, तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

लापरवाही छिपाई गई, कार्रवाई में दो हुए सस्पेंड

घटना के बाद अस्पताल प्रशासन ने नवजात की मौत की जानकारी करीब 11 घंटे तक छिपाए रखी। परिजनों को गुरुवार दोपहर 2 बजे बताया गया कि बच्चा कमजोर था, इसलिए बच नहीं सका। जब परिजनों ने पूछा कि बच्चा डस्टबिन में कैसे गिरा, तो कोई जवाब नहीं मिला। सीएमओ की जांच में सामने आया कि डॉ. रश्मि पाल और नर्स प्रियंका

सचान घटना के वक्त ड्यूटी से नदारद थीं। दोनों को सस्पेंड कर शासन से बर्खास्तगी की सिफारिश की गई है। यह

प्राचार्य सज्जन लाल वर्मा

सुनील और सरिता की पहली संतान थी, जिसकी मौत से परिवार टूट गया है।

अकबरनगर में विवाहिता ने खाया ज़हर, इलाज के दौरान मौत

पति से कहासुनी के बाद उठाया आत्मघाती कदम, पुलिस जांच में जुटी

स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर थाना क्षेत्र के अकबरनगर गांव में शुक्रवार सुबह एक विवाहिता ने संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान 26 वर्षीय रीता पत्नी सुशील के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सुबह किसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच कहासुनी हुई, जिसके बाद रीता ने जहरीला पदार्थ खा लिया।

हालत बिगड़ने पर परिजन उसे तुरंत जिला अस्पताल ले गए, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे हैलट कानपुर रेफर कर दिया गया। लेकिन परिजन उसे अकबरपुर के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

घटना की सूचना पर भोगनीपुर कोतवाली प्रभारी अंजन कुमार सिंह मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की।

उन्होंने बताया कि आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है,

जिसकी रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। विवाहिता की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

संतान न होने पर तानों से तंग आकर विवाहिता ने दी जान

» ससुरालियों पर प्रताड़ना और हत्या का आरोप, मायके वालों ने जताई साजिश की आशंका

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर थाना क्षेत्र के माचा गांव में एक विवाहिता ने ससुरालियों की प्रताड़ना से तंग आकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना शुक्रवार की है, जहां 7 वर्षों से संतान न होने पर ससुराल वालों के तानों से परेशान होकर 30 वर्षीय सुधा ने घर की छत में लगे कुंडे से फांसी लगा ली।

सिहारी गांव निवासी सुधा के पिता कालका प्रसाद ने बताया कि बेटी की शादी सात साल पहले माचा गांव निवासी रामकुमार के बेटे सर्वेश से हुई थी। वह खुद चौकीदार हैं और दामाद मजदूरी करता है। शादी के बाद से ही बेटी को ताने सुनने पड़ते थे। शुक्रवार को रोज की तरह पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ और इसी दौरान सुधा ने आत्मघाती कदम उठा लिया।

पड़ोसियों ने शव को लटकता देखा तो परिजनों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे भोगनीपुर थाने के उप निरीक्षक रामपुत्र ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

वहीं, मायके पक्ष ने आरोप लगाया है कि सुधा की हत्या कर शव को फांसी से लटकाया गया है। उन्होंने अस्पताल में हंगामा कर पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

अयोध्या मेडिकल कॉलेज की लापरवाही से बुजुर्ग की मौत

» बेटियों ने शव लेने से किया इंकार

» परिजनों का आरोप है कि नरेंद्र बहादुर सिंह को अस्पताल में इंजेक्शन का ओवरडोज दिया गया

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज, दर्शन नगर अयोध्या एक बार फिर सवालों के घेरे में है। इस बार मामला सिर्फ इलाज में कोताही का नहीं, बल्कि लापरवाही की वह हद है, जहां एक बुजुर्ग की जान चली गई। बीकापुर कोतवाली क्षेत्र के रजौरा गांव निवासी नरेंद्र बहादुर सिंह (उम्र लगभग 68 वर्ष) को परिजनों ने दो दिन पहले ही मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया था। उन्हें हाई बीपी और शुगर की शिकायत थी। लेकिन परिवार को क्या पता था कि अस्पताल में भर्ती कराना उन्हें मौत के मुंह में धकेलने जैसा होगा।

परिजनों का आरोप है कि नरेंद्र बहादुर सिंह को अस्पताल में इंजेक्शन का ओवरडोज दिया गया। इससे उनकी हालत बिगड़ गई और देर रात मौत हो गई। जब परिजनों को इस बारे में जानकारी मिली, तो उनका गुस्सा फूट पड़ा। अस्पताल में जमकर हंगामा हुआ। लोगों की भीड़ जुट गई और प्रशासन को स्थिति संभालने में मशक्कत करनी पड़ी।

लापरवाही पर तत्काल कार्रवाई की गई

मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सत्यजीत वर्मा ने मामले को गंभीरता से लिया। प्रारंभिक जांच में लापरवाही की पुष्टि होते ही वार्ड बॉय अखिलेश और ड्यूटी पर तैनात स्टाफ नर्स को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। कॉलेज प्रशासन ने जांच समिति गठित कर दी है और आश्वासन दिया है कि दोषी कोई भी हो, कार्रवाई होगी।

जब तक सीएम योगी तक बात नहीं पहुंचेगी, शव नहीं ले जाएंगे

मृतक की बेटियों का कहना है कि उन्हें न्याय चाहिए। उनका कहना है, 卐हमने पिता को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया था, न कि अंतिम यात्रा के लिए। जब तक हमारी बात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक नहीं पहुंचेगी, हम अपने पिता का शव नहीं लेंगे।卐

यह घटना न केवल मेडिकल कॉलेज की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करती है, बल्कि प्रशासन के लिए भी एक कड़ी चेतावनी है। सवाल यह है कि क्या अस्पतालों में आम आदमी की जान इतनी सस्ती हो चुकी है कि एक इंजेक्शन की गलती से वह दम तोड़ दे?अब वक्त है कि अयोध्या के स्वास्थ्य तंत्र को आईना दिखाया जाए। हर मौत सिर्फ आंकड़ा नहीं होती ङ्क यह किसी परिवार की दुनिया उजाड़ देती है। अगर ऐसी घटनाओं पर सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो मेडिकल कॉलेज इलाज का केंद्र नहीं, खतरे की घंटी बन जाएगा।

सुहागरात पर दुल्हन ने दूल्हे को दिया चकमा, बॉय फ्रेंड के साथ भागी

पंचायत ने दिया ऐसा ऑफर, प्रेमी बोला- मैं नहीं रख सकता अब इसे

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

सोनभद्र ।एक दूल्हा बड़े ही अरमानों से दुल्हन को ब्याह कर लाया. उसने दुल्हन संग जिंदगी के हसीन ख्वाब सजा रखे थे. लेकिन वो नहीं जानता था कि दुल्हन के दिमाग में क्या खुफिया प्लानिंग चल रही है. शादी के बाद सुहागरात से ठीक पहले दुल्हन अपने बॉयफ्रेंड के साथ भाग गई. दूल्हे को जब इस बात का पता चला, वो सदमे में आ गया. घटना उत्तर प्रदेश के सोनभद्र की है.

बभनी थाना क्षेत्र में 27 मई को एक युवती की शादी हुई. शादी हुए कुछ घंटे ही बीते थे कि दुल्हन ने ऐसा कांड कर डाला, जिससे ससुराल वाले सन्न रह गए. दुल्हन ने सुहागरात से ठीक पहले अपने

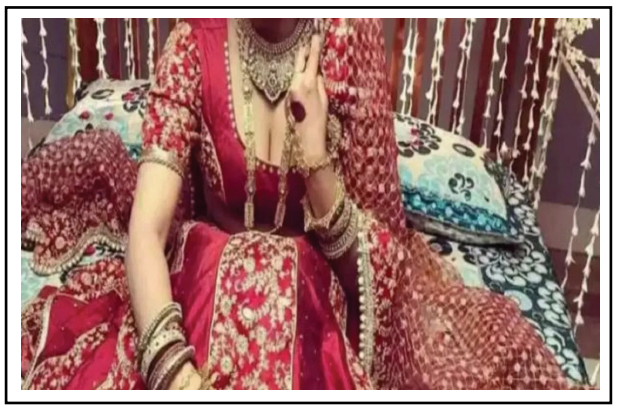

बॉयफ्रेंड को बुला लिया. कमरे में जैसे ही दूल्हा आया तो दुल्हन बोली– मैं अभी आती हूं. कुछ काम याद आ गया. दूल्हा बेचारा कमरे में उसका इंतजार करता रहा और दुल्हन अपने बॉयफ्रेंड के साथ बाइक पर बैठकर फरार हो गई.दूल्हा और उसके घर वालों को जब इस बात का पता चला तो वो सन्न रह गए. उन्होंने लड़की के घर वालों को इसकी जानकारी दी. इसे लेकर खूब हंगामा बरपा. दुल्हन और उसके प्रेमी को भी इसकी जानकारी मिली. तब बॉयफ्रेंड ने खुद ही दुल्हन को वापस मायके भेज दिया. लेकिन यहां आकर दुल्हन अपने बॉयफ्रेंड के साथ रहने की ही जिद करने लगी. परिजन उसे समझाने की कोशिश करते रहे. लेकिन जब बात नहीं बनी तो मामला पंचायत में पहुंच गया।

प्रेमी पक्ष ने खर्च लौटाने से किया इनकार

हालांकि, प्रेमी और उसके परिजनों ने इतना खर्च चुकाने में असमर्थता जताई. उनका कहना था कि इतनी बड़ी रकम तत्काल देना संभव नहीं. वहीं, पंचों का कहना था कि फैसला तुरंत मानना होगा. जब सहमति नहीं बनी, तो वर पक्ष ने पुलिस से शिकायत करने की बात कही. शनिवार को थाने में प्रार्थना पत्र देकर मामले में कार्रवाई की मांग की जाएगी.

घर में चोरी के लिए घुसा युवक रंगे हाथ पकड़ा गया

» मकान मालिक के शोर मचाने पर पकड़ा गया, गाँव वालों ने रस्सी बांध कर दी पुलिस को सूचना

स्वराज इंडिया संवाददाता

बाराबंकी। घुंघटेर थाना क्षेत्र के खड़सरा निवासी महेंद्र कुमार प्रतिदिन की तरह रात को खाना खाने के बाद घर के आंगन में सो रहे थे। देर रात एक चोर मकान में घुंस आया। मकान में आहट होने से महेंद्र की आंख खुल गई। महेंद्र ने देखा की कोई एक व्यक्ति आंगन में रखी सरसों की बोरी कंधे पर लाद कर ले जाने का प्रयास कर रहा है। महेंद्र ने आवाज लगाई तो चोर भागने लगा। आवाज सुनकर परिवार व गांव के लोग आ गए। ग्रामीणों ने भाग रहे चोर को दौड़ा कर पकड़ लिया। पकड़े गए चोर को ग्रामीणों ने जमकर पिटाई कर दी।जिसके बाद उसे रस्सी के सहारे एक पिलर मे बांध दिया।इस बीच लोगों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस चोर को अपने साथ थाने ले गई। थानाध्यक्ष बेचू सिंह यादव ने बताया कि मकान सरसों की बोरी चोरी करते हुए ग्रामीणों ने एक चोर को पकड़ा है।जोकि सीतापुर जनपद के थाना सदर के गोडाइचा गांव का विकास पुत्र राम प्रकाश है। पूछताछ में उसने बताया कि बाइक की बकाया

किस्त जमा करने के लिए चोरी करने आया था। मुकदमा दर्ज

कर आरोपित को जेल भेजा जा रहा है।

सरेराह दंपति से बदमाशों ने लूटी बाइक

» कोतवाली क्षेत्र के गुरुसेल गांव के पास शारदा सहायक नहर पटरी पर हुई घटना

स्वराज इंडिया संवाददाता

सूरतगंज(बाराबंकी)। सरेराह एक दंपति से बदमाशों ने बाइक लूट ली। घटना फतेहपुर कोतवाली क्षेत्र के गुरुसेल गांव के पास शारदा सहायक नहर पटरी पर हुई।प्राप्त जानकारी के मुताबिक मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के दोहई गांव निवासी रियाज अपनी पत्नी के साथ फतेहपुर नगर पंचायत के देवखरिया पुरवा वार्ड में रिश्तेदार से मिलने गए थे। दोपहर तीन बजे वे अपनी बाइक यूपी 41 बीएच 6598 से वापस लौट रहे थे। नहर पटरी पर तीन युवक सामने से पैदल आए। उन्होंने दंपति को रोक लिया। इसी दौरान एक और बदमाश बाइक से पीछे से आ गया। चारों ने दंपति को धमकाकर बाइक से उतार दिया। बदमाश बाइक पर सवार होकर गुरुसेल गांव की तरफ भाग निकले। रियाज ने डायल 112 पर सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की, लेकिन बदमाशों का कोई सुराग नहीं मिला। कोतवाल धीरेंद्र सिंह ने बताया कि लूट का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच जारी है।

विशेष सचिव अवधेश तिवारी ने ब्लाक निंदूरा में लगाई क्लास

स्वराज इंडिया संवाददाता

निंदूरा (बाराबंकी)। आकांक्षी ब्लाक निंदूरा में तीन दिवसीय दौरे में विशेष सचिव अवधेश तिवारी ने ब्लाक अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।बैठक में सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी ली।विशेष सचिव ने लंबित कार्यों को पूर्ण करने तथा योजनाओं को जरूरत मंदों तक पहुंचने के निर्देश दिए।इसके बाद सचिव ने कुर्सी के हेमापुरवा स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचे। सचिव ने आंगनबाड़ी केंद्र पर कुपोषित बच्चों व गर्भवती महिलाओं संख्या की जानकारी ली।बच्चों को मिलने वाले पोषाहार तथा टीकारण आदि का हाल जाना।इस दौरान सचिव ने कुर्सी के पंचायत भवन का भी निरीक्षण किया। पंचायत भवन के एक कमरे में पशु-

» सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी ली

चिकित्सक व दूसरे कमरे पीआर वी 112 का कब्जा मिलने पर नाराज़गी। सचिव ने कहा कि पंचायत भवन में सिर्फ पंचायत का कार्य होगा। उन्होंने पशु-चिकित्सक व पीआरवी के अवैध कब्जे को हटाने के निर्देश दिए। विशेष सचिव अपने तीन दिवसीय दौरे में शनिवार को दूसरे दिन स्थलीय निरीक्षण करेंगे।इस मौके पर एसडीएम कार्तिकेय सिंह, बीडीओ फतेहपुर संतोष सिंह, बीडीओ निंदूरा अलोक वर्मा,एडीओ पंचायत अनिल कुमार,खंड शिक्षा अधिकारी सुषमा सेंगर, सीएचसी अधीक्षक डाक्टर आर पी वर्मा , सीडीपीओ अरुण कुमार पांडेय सहित ब्लाक अधिकारी मौजूद रहे।

अधिवक्ताओं के चेंबर जल कर राख

स्वराज इंडिया संवाददाता

रामनगर बाराबंकी। तहसील रामनगर परिसर में अचानक आग लगने से दो अधिवक्ताओं के चेंबर जल गए। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस व दमकल की दो गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। वहीं पर तहसील में किसी सक्षम अधिकारी के न रहने की चर्चाएं बनी रही। शुक्रवार को देर रात करीब 9:00 बजे तहसील रामनगर में स्थित एडवोकेट पंकज त्रिपाठी के चेंबर में आग़ के लपेटे उठने लगी, जिसकी जानकारी स्थानीय पुलिस के साथ अग्निशमन दल रामनगर व सिरौली गौसपुर को दी गई। सूचना पाते ही कस्बा दरोगा अखिलेश कुमार तथा अग्नि शमन प्रभारी सिरौली गौसपुर रामसनेही व रामनगर मन्नू राम दलबल के साथ पहुंच कर काफी देर तक मशक्कत करने के बाद आग पर काबू पाया। वही बगल में ही बने रामकुमार मिश्र एडवोकेट के चेंबर में भी आग़ की लपटों से कुर्सी में व तखत आदि चल गए। सबसे ज्यादा नुकसान अधिवक्ता पंकज मद त्रिपाठी के चेंबर में व पंखा सभी कुर्सियां

तख्त अभिलेख आदि जलकर खाक हो गए। जानकारी पाते ही तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल कुमार दीक्षित व महामंत्री सुरेश कुमार मिश्रा भी मौके पर पहुंचे तथा घटना को निंदनीय बताते हुए जांच करवा कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की बात कहीं।

सात साल से इंतजार, नई भर्ती कब आएगी सरकार !

» यूपी के डीएलएड और टीईटी/सीटीईटी पास युवाओं ने उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के बाहर बेमियादी धरना शुरू कर दिया

उत्तर प्रदेश में भर्ती नहीं आने के कारण पड़ोसी राज्यों बिहार, मध्य प्रदेश, दिल्ली आदि की भर्ती में जाने को विवश हैं

मुख्य संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। परिषदीय स्कूलों में सात साल से शिक्षक भर्ती का इंतजार कर रहे बेरोजगारों का सब्र अब जवाब दे गया है। डीएलएड और टीईटी/सीटीईटी पास युवाओं ने उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के बाहर बेमियादी धरना शुरू कर दिया है। उनकी एक ही मांग है कि सरकार प्राथमिक शिक्षक भर्ती का विज्ञापन जारी करे। डीएलएड करने वाले 8 लाख से अधिक बेरोजगार दर-दर की ठोकरें खाने को विवश हैं। उत्तर प्रदेश में भर्ती नहीं आने के कारण पड़ोसी राज्यों बिहार, मध्य प्रदेश, दिल्ली आदि की भर्ती में जाने को विवश हैं।

वहीं उत्तर प्रदेश में चार सालों से शिक्षक पात्रता परीक्षा नहीं कराई जा सकी है। शिक्षक भर्ती परिषदीय प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों में शिक्षकों के 1.20 लाख से अधिक पद खाली होने के बावजूद बेसिक शिक्षा मंत्री ने फरवरी में विधानसभा सत्र के दौरान नई भर्ती शुरू करने से यह कहते हुए इनकार कर दिया कि शिक्षक-छात्र अनुपात पूरा है। यही कारण है कि परिषदीय प्राथमिक स्कूलों में 68500 सहायक अध्यापक भर्ती में रिक्त 27713 पदों पर भर्ती शुरू नहीं हो सकी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने अगस्त 2024 में बेसिक शिक्षा विभाग को दो महीने में 27713 पदों पर नए सिरे से भर्ती शुरू करने के आदेश दिए थे हालांकि स्कूलों में छात्र-शिक्षक अनुपात मानक के अनुसार बताते हुए बेसिक शिक्षा विभाग के अफसरों ने भर्ती के लिए शिक्षा सेवा चयन आयोग को रिक्त पदों की सूचना ही नहीं भेजी। नवगठित आयोग की अध्यक्ष प्रो. कीर्ति पांडेय ने दो बार सभी अफसरों के साथ बैठक कर रिक्त पदों का ब्योरा मांगा लेकिन बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से रिक्त पदों की कोई जानकारी नहीं दी गई। आखिरकार भर्ती ही नहीं करनी है तो डीएलएड पशिक्षण बंद क्यों नहीं करते हैं।

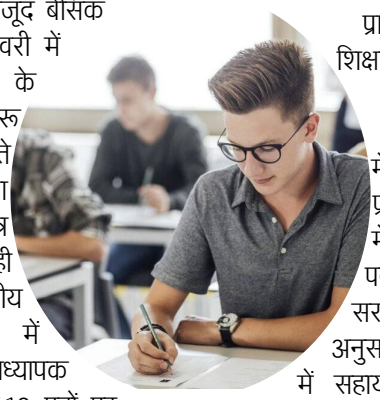

प्राथमिक स्कूलों में शिक्षकों के 79296 पद रिक्त- परिषदीय स्कूलों में सीधी भर्ती प्राथमिक विद्यालयों में सहायक अध्यापक पद पर होती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार प्राथमिक स्कूलों में सहायक अध्यापकों के स्वीकृत कुल 417886 पदों के सापेक्ष 79296 रिक्त हैं।

इनमें 57405 पद सीधी भर्ती के और 21891 पद पदोन्नति के हैं। उच्च प्राथमिक विद्यालयों में स्वीकृत 162198 पदों के सापेक्ष 41338 पद रिक्त हैं और ये सभी पद पदोन्नति के हैं। प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत अध्यापक 338590 एवं छात्र नामांकन 10493389 के सापेक्ष छात्र-शिक्षक अनुपात 30:1 एवं 143450 शिक्षामित्र को जोड़ने पर छात्र-शिक्षक अनुपात 22:1 है जो मानक के अनुसार पूर्ण है। उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत अध्यापक 120860 एवं छात्र नामांकन 4314803 के सापेक्ष छात्र-शिक्षक अनुपात 35:1 है। इसमें 25223 अनुदेशकों की संख्या शामिल कर ली जाए तो छात्र-शिक्षक अनुपात 29:1 है जो मानक के अनुसार पूर्ण है।

यूपी में चार साल से नहीं हुई शिक्षक पात्रता परीक्षा-

युवाओं का कहना है कि शिक्षक भर्ती को लेकर सरकार की उदासीनता का अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि उत्तर प्रदेश में चार सालों से शिक्षक पात्रता परीक्षा नहीं कराई जा सकी है। नवंबर 2021 में पेपर लीक के कारण उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपी-टीईटी) 2021 दोबारा 23 जनवरी 2022 को कराई जा सकी थी। प्राथमिक स्तर की टीईटी के लिए पंजीकृत 1291628 अभ्यर्थियों में से 1147090 परीक्षा में सम्मिलित हुए और उनमें से 443598 (38.67 प्रतिशत) पास थे। उच्च प्राथमिक स्तर की टीईटी के लिए पंजीकृत 873553 अभ्यर्थियों में से 765921 परीक्षा में सम्मिलित हुए। इनमें से 216994 (28.33 प्रतिशत) पास हुए थे। इसका परिणाम आठ अप्रैल 2022 को घोषित किया गया था। जिसमें 660592 अभ्यर्थी पास हुए थे। इन अभ्यर्थियों को शिक्षक भर्ती का मौका नहीं मिला और इनके प्रमाणपत्र भी धूल फांक रहे हैं। उधर नवगठित आयोग को टीईटी कराने की जिम्मेदारी मिली है लेकिन परीक्षा के कोई आसार नजर नहीं आ रहे।

2018 के बाद से परिषदीय प्राथमिक स्कूल में नहीं आई शिक्षक भर्ती-

अभ्यर्थियों का कहना है कि शिक्षकों के 1.20 लाख पद खाली हैं फिर भी भर्ती का विज्ञापन नहीं निकाला जा रहा है। प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में 51112 पदों के रिक्त होने का हलफनाफा लगाया था। डीएलएड 2017, 18 व 19 बैच के लगभग पांच लाख योग्य अभ्यर्थियों को एक बार भी शिक्षक भर्ती का मौका नहीं मिला। हर साल 10 से 15 हजार परिषदीय शिक्षक सेवानिवृत्त हो जाते हैं। इस हिसाब से सात साल में 70 हजार से अधिक पद खाली हो चुके हैं लेकिन भर्ती का पता नहीं है लगता है सरकार सरकारी स्कूलों को बंद करने की योजना बना रही है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बयान पर चुप क्यों हैं पीएम मोदी?

» कांग्रेस ने ट्रंप के दावों पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांगा जवाब

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। अमेरिका ने व्यापार वार्ता का हवाला देते हुए भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया सैन्य संघर्ष को रुकवाया है। और इसके साथ ही कांग्रेस ने ट्रंप के दावों पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जवाब भी मांगा है। और इसके साथ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर ट्रंप के कई बयान शेयर करते हुए इस मामले में पीएम मोदी से सवाल भी किया है।

एक्स पर अपने एक पोस्ट में जयराम रमेश ने लिखा। डोनाल्ड भाई लगातार वही घटनाक्रम दोहरा रहे हैं कि कैसे उन्होंने चार दिनों के भारत-पाकिस्तान युद्ध को रुकवायाज्उनके मित्र नरेंद्र मोदी पूरी तरह से चुप्पी साधे हुए उनके दावों को अनदेखा भी कर रहे हैं। अब प्रधानमंत्री क्यों नहीं बोलते?

और इसके अलावा ट्रंप लगातार ये कह रहे हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान को लड़ने से रोका भी ओवल ऑफ़िस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रंप ने कहा,हमने भारत और पाकिस्तान को लड़ने से भी रोका। मेरा मानना है कि यह परमाणु आपदा में बदल भी सकता था।और आगे उन्होंने कहा, हम उन लोगों के साथ व्यापार भी नहीं कर सकते जो एक-दूसरे पर गोली भी चला रहे हों और संभावित रूप से परमाणु हथियारों का इस्तेमाल भी कर रहे हों।

यूपी के 51 जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश की चेतावनी

» मौसम विभाग ने जारी किया हाई अलर्ट

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। प्रदेश में प्री मानसूनी बारिश का दौर जारी है। तराई और पश्चिमी यूपी में शुक्रवार को बूंदाबांदी के बाद अब शनिवार को बारिश का विस्तार पूर्वी यूपी में भी दिखेगा।और मौसम विभाग ने शनिवार को प्रदेश के 51 जिलों में तेज हवाओं और गरज चमक के साथ बूंदाबादी की चेतावनी भी जारी की है।तराई के 38 जिलों में 40 से 70 किमी प्रति घंटे की तेज रफ्तार से धूल भरी हवाएं चलने का ऑरेंज अलर्ट है। कहीं-कहीं वज्रपात की भी संभावना है।और फिर शुक्रवार को दिल्ली से सटे जिलों, बुंदेलखंड और तराई वाले क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश देखने को मिली।बरेली, शाहजहांपुर, पीलीभीत, अलीगढ़, रायबरेली, बाराबंकी, बलरामपुर, सिद्धार्थ नगर, गोरखपुर आदि जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश भी हुई।वहीं महाराजगंज में सर्वाधिक 58 मिमी बारिश भी दर्ज की गई। इस दौरान प्रदेश में विभिन्न जगहों पर 40 से 60 किमी प्रति घंटे की तेज रफ्तार से धूल भरी हवाएं भी चलीं।

आईपीएस रचिता जुयाल ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। उत्तराखंड कैडर की आईपीएस रचिता जुयाल ने इस्तीफा दे दिया है। 2015 बैच की आईपीएस रचिता ने निजी कारणों से भारतीय पुलिस सेवा से इस्तीफा देने की बात कही है लेकिन उनके इस कदम को लेकर तरह तरह की चर्चाएं भी हैं।